Seat No.:_____ No. of pages : 02

[A9]

SARADAR PATEL UNIVERSITY, VIDHYANAGAR

Semester – 1 FYBA External EXAMINATION 2019

(CBSC)(NC) (OLD COURSE)

Sub. = हिंदी (सात श्रेष्ठ कहानियाँ)

Foundation Elective Hindi – 1 Code no. UAO1FHIN01

Date : 13 /11 / 19 Total Marks : 70

Time : 10:00 AM to 01:00 PM

प्रश्न – १ सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिये : किन्हीं तीन (१५)

(१) गलती तो आप लोगो की है कि पहले तो युवतियों के ऐसे मेलों में ले ही न जाना चाहिये और ले भी गये थे तो कम से कम मुँह से नकाब तो उतरवा देना ही था|

(२) जिसके मुँह में जबान ही न हो, उसके साथ पूरी जिन्दगी कैसे काटी जा सकती है?

(३) जो पत्नी से मिलने का सुख स्वप्न वह देख रहा था, वह उचट गया | वह बेमतलब का क्रन्दन, बेराग, बे-खबर, सन्नाटे को चीर कर आता हुआ उसके कानों को बहुत अप्रिय लगा|

(४) मगर काम करना तो मानवी स्वभाव है| बेकारी में जीवन कैसे कटता ?

(५) काम करते समय उसकी तन्मयता में जरा भी बाधा पड़ी कि गेंहूँअन साँप की तरह फुफकार उठाता – फिर किसी दूसरे से करवा लीजिये काम| सिरचन मुँहजोर है, कामचोर नहीं|

प्रश्न -२ 'शत्रु' कहानी मानव प्रकृति का आईना है – कथन के सन्दर्भ में ज्ञान की मनोदशा का चित्रण (२०) कीजिये|

अथवा

टिप्पणी लिखिये : (क) 'प्रेरणा' कहानी का उद्देश्य

(ख)'ठेस' कहानी के शीर्षक की सार्थकता

प्रश्न – ३

(अ) निम्नलिखित गद्यखंड से एक तिहाई शब्दों में सार लिखकर उचित शीर्षक दीजिये – (०५)

केवल जीविका कमाने से, अपना दिनभर का काम आसानी से पूरा कर लेने से, कहीं अधिक उच्च वस्तु आपके भीतर आपको संतुष्ट करने के लिए विद्यमान है| यह है, आपके सभी काम करने की भावना, आपके पूरी शक्ति से काम करने की आकाक्षा का स्वर इतना प्रखर होना चाहिये कि केवल जीविका कमाने की समस्या केवल रुपया कमाने का प्रश्न गौण होना चाहिये, कितने ही व्यक्ति निरुद्देश्य अपने ध्येय में अधूरी निष्ठा रखते हुए केवल तब तक अपने धंधे में व्यस्त रहने की इच्छा करते हैं, जब तक कोई आकस्मिक बाधा न आये – काम करते दिखाई देते हैं, मनुष्य को अपने जीवनकार्य के प्रति, चाहे वह कितना ही तुच्छ हो, उन उच्च आदर्शों से बढना चाहिये, ये कितने महान कलाकार के आदर्श होते हैं, जिनके आधार पर वह अपनी कृति की रचना करता है| इस

जीवन के संगमरमर को गढने के लिए प्रगतिशील होना एक पावन उद्देश्य है| हमारे कार्यों की प्रत्येक प्रतिभा हमारी आत्मा की अभिव्यक्ति होनी चाहिए|

(आ) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिये (किन्हीं पाँच) (०५)

नभ, जगत, घोडा , अमृत, अधर, नयन, कृपा

(इ) निम्नलिखित शब्दों के विलोमार्थी शब्द लिखिये : (किन्हीं पाँच) (०५)

पाप, सन्मान, अनागत, आधुनिक, आशीर्वाद, सर्जन, अपेक्षा

(ई) निम्नलिखित अनेकार्थी शब्द के विभिन्न अर्थ लिखिये : (किन्हीं पाँच) (०५)

अशोक, अर्थ, कुशल, केतु, चीर , जलधर, गिरा

प्रश्न – ४ किन्हीं एक विषय पर निबन्ध लिखिये : (१५)

(१) मेरा प्रिय खेल

(२) वर्षा ऋतू

(३) विज्ञापन

(४) मनोरंजन के आधुनिक साधन

—x—